SEE MORE JESUS · WANTTOSEEMORE.COM

बाइबल भक्ति के बारे में क्या कहती है? — इसे जीवन में उतारना · स्ट्रॉन्गस नंबर के साथ केजेवी शास्त्र

इसे जीवन में उतारना · परमेश्वर के साथ चाल — रेंगना, चलना, दौड़ना, समाप्त करना

भक्ति — मौलिक बाइबल सिद्धांत

उद्घाटन शब्द

ईश्वरभक्ति सबसे पहले एक चाल है, इससे पहले कि वह कुछ और हो। कोई बालक एक दिन में चलना नहीं सीखता: पहले वह अपने हाथों और घुटनों के बल घिसटता है; फिर उसका पिता उसकी बाहें थामकर उसे कदम-कदम चलना सिखाता है; फिर वह अकेला चलता है; फिर वह बड़ा होता है, और दौड़ता है। और जो पुरुष भली-भाँति दौड़ता है, वह एक दौड़ में दौड़ता है, और उस दौड़ का एक अंत है, और अंत में एक मुकुट है। परमेश्वर के साथ चाल की भी यही रीति है। यूनानी शब्द है यूसेबेइया (G2150, ईश्वरभक्ति) — भक्ति, परमेश्वर की भली-आराधना; और इसका एक साथी है, यूसेबोस (G2153, भक्तिमान), जो वही भक्ति जीवन में उतारी हुई है। इब्रानी ऐसे पुरुष को कहता है खासीद (H2623, भक्तिमान) — दयालु, पवित्र, एक संत; और अब्राम से परमेश्वर ने कहा, मेरे सामने चल, और तामीम (H8549, सिद्ध) हो — सम्पूर्ण, पूरा, खरा। यह अध्ययन ईश्वरभक्ति को मनुष्य के सम्पूर्ण मार्ग से होकर ले चलता है: वह इसे कैसे पाता है जब वह केवल घिसट ही सकता है; वह इसमें कैसे चलता है जब यह उसके पास है; वह इसके साथ कैसे दौड़ता है और इसे एक सैनिक की भाँति अर्पित करता है; और वह अंत में रेखा को कैसे पार करता है, जहाँ मुकुट रखा हुआ है, और जहाँ हमारे परमेश्वर का वचन सदा के लिये स्थिर रहता है। इसे खोज निकालो।

इस अध्ययन में उत्तर दिए गए तीन प्रश्न:

1. भक्ति कहाँ पाई जाती है, और मनुष्य पहली बार इसे कैसे प्राप्त करता है?
2. जब किसी मनुष्य में भक्ति हो, तो उसे उसके साथ क्या करना चाहिए, और वह दिन-प्रतिदिन कैसे चली जाती है?
3. दौड़ किस प्रकार समाप्त होती है — कौन सा मुकुट रखा हुआ है, और कौन सा वचन सर्वदा बना रहता है?

ग्रीक मुख्य शब्द

"ईश्वरभक्ति" — **G2150 eusebeia** — भक्ति; धर्मपरायणता, पवित्रता
धार्मिकता का रहस्य महान है

"ईश्वरभक्त" — **G2153 eusebos** — भक्तिपूर्वक; ईश्वरभक्तिपूर्ण रीति से
मसीह यीशु में भक्तिपूर्वक जीवन बिताने वाले सब लोग

"अच्छा" — **G2095 eu** — भला, अच्छा
ईश्वरभक्ति का अर्थ है परमेश्वर की भली-भांति उपासना करना

“पूजा” — **G4576 sebomai** — भक्त, धार्मिक, आराधना
ईश्वर की उचित आराधना

“शक्ति” — **G1411 dunamis** — शक्ति, सामर्थ्य, बल
उसकी दिव्य शक्ति ने हमें सब कुछ दिया है

“व्यायाम” — **G1128 gumnazo** — व्यायाम करना, प्रशिक्षित करना
भक्ति की ओर अपने आप को अभ्यास करो

“चलना” — **G4748 stoicheo** — व्यवस्थित रूप से चलना, पंक्ति में कदम मिलाकर चलना
आइए हम भी आत्मा के अनुसार चलें

“अधर्म” — **G763 asebeia** — अधर्म, ईश्वरहीनता
अभक्ति और सांसारिक अभिलाषाओं का इन्कार करना

“संतोष” — **G841 autarkeia** — संतोष, पर्याप्तता
संतोष सहित भक्ति बड़ी कमाई है

“संघर्ष करना” — **G73 agon** — संघर्ष, लड़ाई, दौड़
धार्मिकता की अच्छी लड़ाई लड़ो

“दौड़” — **G1408 dromos** — —दौड़, एक मार्ग
मैं ने अपनी दौड़ पूरी कर ली है

“सहता है” — **G3306 meno** — बना रहना, जारी रहना, टिके रहना, बना रहना
प्रभु का वचन सदा तक ठहरा रहता है

“करना” — **G2005 epiteleo** — संपन्न करना, पूरा करना, निष्पादित करना
यीशु मसीह के दिन तक इसे पूरा करेगा

(मेरे व्यक्तिगत विचार — ध्यान दें कि यह शब्द कैसे बना है। स्ट्रॉन्स कहता है कि यूसेबिया (G2150, भक्ति) दो शब्दों पर टिका है — G2095, अच्छा, और G4576, आराधना करना, भक्त होना — अच्छा-श्रद्धालु: परमेश्वर की भली-आराधना। भक्ति, तब, परमेश्वर की भली प्रकार आराधना करना है — केवल वचन में नहीं, बल्कि सम्पूर्ण चाल-चलन में। और यूसेबॉस (G2153, भक्त) वही शब्द है जो अपने पैरों पर खड़ा किया गया है: कुछ ऐसा नहीं जो मनुष्य के पास हो, बल्कि एक ऐसा तरीका जिससे मनुष्य जीता है।)

हिब्रू मुख्य शब्द

“ईश्वरभक्त” — **H2623 chaciyd** — दयालु, भक्तिमय, एक संत, पवित्र जन
यहोवा ने भक्त को अपने लिये अलग किया है

“उत्तम” — **H8549 tamiym** — संपूर्ण, पूर्ण, स्वस्थ, समूचा, दोष रहित
मेरे सामने चल, और सिद्ध हो

“दया” — **H2617 chesed** — कृपा, दयालुता, दया
धर्मी मनुष्य दया का मनुष्य होता है

“दयालु” — **H2616 chacad** — दयालु होना; अपने आप को दयावन्त दिखाना
दयालु होना, जिससे करुणा उत्पन्न होती है

“जाना” — **H8637 tirgal** — चलना सिखाना; चलने के लिए प्रेरित करना
मैंने ही एप्रैम को चलना भी सिखाया

(मेरे व्यक्तिगत विचार — चासीद (H2623, भक्त) चेसेद (H2617, दया) से निकटता से संबंधित है; दोनों एक ही मूल, चाकद (H2616, दयालु होना) से आते हैं। पुराने नियम का भक्त मनुष्य दया का मनुष्य है — उसने दया प्राप्त की है, और वह उसे दिखाता है। और तामीम (H8549, सिद्ध) निर्दोष देह नहीं है; स्ट्रॉन्स कहता है सम्पूर्ण, पूर्ण, स्वस्थ, समग्र। मेरे सामने चल, और सम्पूर्ण हो — चाल में तेरा सब कुछ, कुछ भी रोका न जाए।)

I. रेंगना — इसे कैसे पाएँ

(मेरे व्यक्तिगत विचार — हर चाल नीचे से शुरू होती है। एक बच्चा पैरों पर चलने से पहले हाथों और घुटनों के बल चलता है, और कोई भी भक्ति में पूर्ण विकसित होकर जन्म नहीं लेता। इसे पहले पाया जाना चाहिए; और ये गवाह दिखाते हैं कि कहाँ। यह तुम्हारी अपनी शक्ति से प्राप्त नहीं होता — यह उसकी दिव्य शक्ति द्वारा दिया जाता है — दुनामिस (G1411, शक्ति) — और यह एक व्यक्ति में पाया जाता है। नीचे से आरम्भ करो, छोटे से आरम्भ करो, और आरम्भ करो।)

A. 1 तीमुथियुस 4:7 पर अशुद्ध और बूढ़ियों की सी कहानियों से अलग रह; और भक्ति में खुद को प्रशिक्षित कर। **[G2150 eusebeia ⚑] [G1128 gumnazo ⚑]**

पर अशुद्ध और बूढ़ियों की सी कहानियों से अलग रह + और भक्ति में खुद को प्रशिक्षित कर.

(मेरे व्यक्तिगत विचार — Strong's कहता है कि gumnazo (G1128, अभ्यास करना) का अर्थ है प्रशिक्षित करना, जैसे खेलों में। भक्ति किसी व्यक्ति के पास बैठे रहने से नहीं आती; उसे इसके लिए स्वयं को प्रशिक्षित करना होगा। परन्तु अगली गवाही पर ध्यान दो, ताकि तुम यह न समझ लो कि प्रशिक्षण ही सब कुछ है: वह वस्तु स्वयं तो दी जाती है।)

B. 2 पतरस 1:3 क्योंकि उसके ईश्वरीय सामर्थ्य ने सब कुछ जो जीवन और भक्ति से सम्बंध रखता है, हमें उसी की पहचान के द्वारा दिया है, जिसने हमें अपनी ही महिमा और सद्गुण के अनुसार बुलाया है। **[G1922 epignosis ⚑] [G2150 eusebeia ⚑]**

क्योंकि उसके ईश्वरीय सामर्थ्य ने सब कुछ जो जीवन और भक्ति से सम्बंध रखता है, हमें उसी की पहचान के द्वारा दिया है.

C. 1 तीमुथियुस 3:16 और इसमें सन्देह नहीं कि भक्ति का भेद गम्भीर है, अर्थात्, वह जो शरीर में प्रगट हुआ, आत्मा में धर्मी ठहरा, स्वर्गदूतों को दिखाई दिया, अन्यजातियों में उसका प्रचार हुआ, जगत में उस पर विश्वास किया गया, और महिमा में ऊपर उठाया गया। **[G2150 eusebeia ⚑]**

भक्ति का भेद बड़ा है = परमेश्वर शरीर में प्रगट हुआ।

(मेरे व्यक्तिगत विचार — भक्ति यहीं पाई जाती है। भक्ति का भेद कोई नियम या व्यवस्था नहीं है; वह एक व्यक्ति है — परमेश्वर मानव देह में प्रकट हुआ। भक्ति को पाने के लिए, उसे पाओ। जिसके पास पुत्र है, उसके सामने पूरा मार्ग है।)

D. तीतुस 1:1 पौलुस की ओर से, जो परमेश्वर का दास और यीशु मसीह का प्रेरित है, परमेश्वर के चुने हुए लोगों के विश्वास को स्थापित करने और सच्चाई का ज्ञान स्थापित करने के लिए जो भक्ति के साथ सहमत हैं **[G2150 eusebeia ⚑] [G1922 epignosis ⚑]**

सत्य की पहचान → जो भक्ति के अनुसार है।

E. 1 पतरस 2:2 नये जन्मे हुए बच्चों के समान निर्मल आत्मिक दूध की लालसा करो, ताकि उसके द्वारा उद्धार पाने के लिये बढ़ते जाओ **[G837 auxano ⚑] [G1051 gala ⚑]**

नवजात शिशुओं के समान + वचन के निर्मल दूध की लालसा करो → कि तुम उससे बढ़ो।

F. व्यवस्थाविवरण 1:31 फिर तुम ने जंगल में भी देखा कि जिस रीति कोई पुरुष अपने लड़के को उठाए चलता है, उसी रीति हमारा परमेश्वर यहोवा हमको इस स्थान पर पहुँचने तक, उस सारे मार्ग में जिससे हम आए हैं, उठाए रहा।' (प्रेरि. 13:18) **[H5375 nasa ⚑]**

यहोवा तेरा परमेश्वर तुझे उठाए रहा + जैसा मनुष्य अपने पुत्र को उठाए रहता है + उस सारे मार्ग में जिस में तुम चले।

G. होशे 11:3 मैं ही एप्रैम को पाँव-पाँव चलाता था, और उनको गोद में लिए फिरता था, परन्तु वे न जानते थे कि उनका चंगा करनेवाला मैं हूँ। **[H8637 tirgal ⚑]**

मैं ही एप्रैम को पाँव-पाँव चलाता था + और उनको गोद में लिए फिरता था.

(मेरे व्यक्तिगत विचार — स्ट्रॉन्स के अनुसार तिरगल (H8637, चलना सिखाना) का अर्थ है चलाना। परमेश्वर के पास अपनी पुस्तक में एक बालक को उसके पहले कदम सिखाने के लिए एक शब्द है, और वह उसे अपने ऊपर ले लेता है: मैंने एप्रैम को चलना सिखाया, उन्हें भुजाओं से पकड़कर। वह उठाता है, वह सिखाता है, वह चंगा करता है। कोई भी यह चाल अकेले नहीं सीखता।)

H. भजन संहिता 34:11 हे बच्चों, आओ मेरी सुनो, मैं तुम को यहोवा का भय मानना सिखाऊँगा। **[H3374 yirah ⚑]**

हे बच्चों, आओ मेरी सुनो + मैं तुम को यहोवा का भय मानना सिखाऊँगा.

I. इब्रानियों 11:6 और विश्वास बिना उसे प्रसन्न करना अनहोना है, क्योंकि परमेश्वर के पास आनेवाले को विश्वास करना चाहिए, कि वह है; और अपने खोजनेवालों को प्रतिफल देता है। **[G1567 ekzeteo ⚑]**

जो कोई परमेश्वर के पास आता है उसे विश्वास करना चाहिए कि वह है + और अपने ढूंढ़नेवालों को प्रतिफल देता है।

J. प्रेरितों के काम 3:2 और लोग एक जन्म के लँगड़े को ला रहे थे, जिसको वे प्रतिदिन मन्दिर के उस द्वार पर जो 'सुन्दर' कहलाता है, बैठा देते थे, कि वह मन्दिर में जानेवालों से भीख माँगे। **[G941 bastazo ⚑]**

अपनी माता के गर्भ से लंगड़ा एक मनुष्य + उठाकर लाया जाता था + प्रतिदिन मंदिर के द्वार पर रखा जाता था।

K. प्रेरितों के काम 3:12 यह देखकर पतरस ने लोगों से कहा, "हे इस्राएलियों, तुम इस मनुष्य पर क्यों अचम्भा करते हो, और हमारी ओर क्यों इस प्रकार देख रहे हो, कि मानो हमने अपनी सामर्थ्य या भक्ति से इसे चलने फिरने योग्य बना दिया। **[G4043 peripateo ⚑] [G2150 eusebeia ⚑]**

तुम हमें क्यों इतनी टकटकी लगाकर देखते हो + जैसे कि हमने अपनी ही सामर्थ्य या भक्ति से इसे चलने योग्य बना दिया हो?

L. प्रेरितों के काम 3:8 और वह उछलकर खड़ा हो गया, और चलने फिरने लगा; और चलता, और कूदता, और परमेश्वर की स्तुति करता हुआ उनके साथ मन्दिर में गया। **[G4043 peripateo ⚑]**

और वह उछलकर खड़ा हो गया, और चलने फिरने लगा + और परमेश्वर की स्तुति करता हुआ उनके साथ मन्दिर में गया.

(मेरे व्यक्तिगत विचार — पूरा पहला चरण एक ही व्यक्ति में देखें। जन्म से लंगड़ा, और उठाकर लाया गया — तुम भी ऐसे ही थे। पतरस के मुख में पवित्रता शब्द यूसेबिया (G2150, godliness) है: यह मनुष्यों की सामर्थ्य या भक्ति से नहीं था कि वह चलने योग्य बनाया गया। परमेश्वर ने चलना दिया; और उस मनुष्य का पहला चलना मन्दिर में गया, परमेश्वर की स्तुति करते हुए। अब जब तुम खड़े हो, चलना सीखो।)

II. चलना — जब यह तेरे पास हो तब इसके साथ क्या करना है

(मेरे व्यक्तिगत विचार — बच्चा अब अपने पैरों पर खड़ा है; अब चलना शुरू होता है। भक्ति कोई ऐसी वस्तु नहीं है जिसे सदूक में रख दिया जाए; यह तो दिन-प्रतिदिन चलने का एक मार्ग है। ध्यान दीजिए उन पुरुषों पर जिन्हें परमेश्वर ने इन गवाहों में भक्त और सिद्ध कहा है: वे पुरुष जो उसके साथ चले। और ध्यान दीजिए कि यह चाल क्या माँगती है — कभी-कभार का एक अच्छा दिखावा नहीं, बल्कि पूरे मार्ग तक एक सम्पूर्ण हृदय।)

A. उत्पत्ति 5:24 हनोक परमेश्वर के साथ-साथ चलता था; फिर वह लोप हो गया क्योंकि परमेश्वर ने उसे उठा लिया। (इब्रा. 11:5) **[H1980 halak ⚑]**

हनोक परमेश्वर के साथ-साथ चलता था + फिर वह लोप हो गया क्योंकि परमेश्वर ने उसे उठा लिया। (इब्रा. 11:5.

B. उत्पत्ति 6:9 नूह की वंशावली यह है। नूह धर्मी पुरुष और अपने समय के लोगों में खरा था; और नूह परमेश्वर ही के साथ-साथ चलता रहा। **[H1980 halak ⚑] [H8549 tamiym ⚑]**

नूह एक धर्मी और सिद्ध मनुष्य था + नूह परमेश्वर के साथ चलता था।

C. उत्पत्ति 17:1 जब अब्राम निन्यानवे वर्ष का हो गया, तब यहोवा ने उसको दर्शन देकर कहा, “मैं सर्वशक्तिमान परमेश्वर हूँ; मेरी उपस्थिति में चल और सिद्ध होता जा। **[H8549 tamiym ⚑] [H1980 halak ⚑]**

मेरे सम्मुख चल + और सिद्ध हो।

(मेरे व्यक्तिगत विचार — तीनों पिताओं को एक साथ रखिए, और देखिए कि यह शब्द कैसे बढ़ता है। हनोक के विषय में लिखा है, वह परमेश्वर के साथ-साथ चलता रहा। नूह के विषय में, वह अपनी पीढ़ी में सिद्ध था, और वह परमेश्वर के साथ-साथ चलता रहा। और अब्राम से यह आज्ञा के रूप में कहा जाता है: मेरे सामने चल, और सिद्ध हो। जो पहले दोनों के विषय में लिखा गया है, वही तीसरे को आज्ञा के रूप में दिया गया है — और तामीम (H8549, सिद्ध) का अर्थ है स्ट्रॉन्ग के अनुसार सम्पूर्ण, पूर्ण, निर्दोष। परमेश्वर के साथ चलना सदैव सम्पूर्ण मनुष्य का चलना रहा है।)

D. मीका 6:8 हे मनुष्य, वह तुझे बता चुका है कि अच्छा क्या है; और यहोवा तुझ से इसे छोड़ और क्या चाहता है, कि तू न्याय से काम करे, और कृपा से प्रीति रखे, और अपने परमेश्वर के साथ नम्रता से चले? (मत्ती 23:23, यशा. 1:17) **[H3212 yalak ⚑]**

न्याय करना + दया से प्रेम करना + अपने परमेश्वर के साथ नम्रता से चलना।

E. भजन संहिता 4:3 यह जान रखो कि यहोवा ने भक्त को अपने लिये अलग कर रखा है; जब मैं यहोवा को पुकारूँगा तब वह सुन लेगा। **[H2623 chaciyd ⚑]**

यहोवा ने भक्त को अपने लिये अलग किया है + जब मैं पुकारूंगा तब यहोवा सुनेगा।

(मेरे व्यक्तिगत विचार — यहाँ खड़ा है चासीद (H2623, भक्त), चेसेद (H2617, दया) का पुरुष। भक्त पुरुष भीड़ में खोया नहीं रहता; यहोवा ने उसे अपने लिए अलग किया है, और जब वह पुकारता है तो उसकी सुनता है। भक्तिपूर्वक चलना अलग होकर चलना है, और सुना जाकर चलना है।)

F. कुलुस्सियों 2:6 इसलिए, जैसे तुम ने मसीह यीशु को प्रभु करके ग्रहण कर लिया है, वैसे ही उसी में चलते रहो। **[G4043 peripateo ⚑]**

इसलिए, जैसे तुम ने मसीह यीशु को प्रभु करके ग्रहण कर लिया है → वैसे ही उसी में चलते रहो.

G. कुलुस्सियों 1:10 ताकि तुम्हारा चाल-चलन प्रभु के योग्य हो, और वह सब प्रकार से प्रसन्न हो, और तुम में हर प्रकार के भले कामों का फल लगे, और परमेश्वर की पहचान में बढ़ते जाओ **[G4043 peripateo ⚑]**

प्रभु के योग्य ऐसी चाल चलो जो हर बात में भाए + हर एक भले काम में फलवन्त हो।

H. गलातियों 5:25 यदि हम आत्मा के द्वारा जीवित हैं, तो आत्मा के अनुसार चलें भी। **[G4748 stoicheo ⚑]**

यदि हम आत्मा के द्वारा जीवित हैं → तो आत्मा के अनुसार चलें भी.

(मेरे व्यक्तिगत विचार — यहाँ चलने वाला शब्द सामान्य शब्द नहीं है। टैग देखें, G4748: स्ट्रॉन्स कहता है कि इसका अर्थ है पंक्ति में मार्च करना, कदम मिलाकर चलना। आत्मा आगे-आगे चलता है, और भक्त पुरुष उसके साथ कदम मिलाकर चलता है। इसे भली-भाँति देख लें — यहीं से चलना एक सिपाही के चलने जैसा सुनाई देता है। दौड़ और युद्ध दूर नहीं हैं।)

I. 1 यूहन्ना 2:6 जो कोई यह कहता है, कि मैं उसमें बना रहता हूँ, उसे चाहिए कि वह स्वयं भी वैसे ही चले जैसे यीशु मसीह चलता था। **[G4043 peripateo ⚑]**

जो कोई यह कहता है, कि मैं उसमें बना रहता हूँ → उसे चाहिए कि वह स्वयं भी वैसे ही चले जैसे यीशु मसीह चलता था.

J. 1 तीमुथियुस 2:1 अब मैं सबसे पहले यह आग्रह करता हूँ, कि विनती, प्रार्थना, निवेदन, धन्यवाद, सब मनुष्यों के लिये किए जाएँ। **[G2150 eusebeia ⚑]** (2) राजाओं और सब ऊँचे पदवालों के निमित्त इसलिए कि हम विश्राम और चैन के साथ सारी भक्ति और गरिमा में जीवन बिताएँ।

सबसे पहले, सब मनुष्यों के लिए विनती की जाए + राजाओं और सब अधिकार रखनेवालों के लिए → कि हम सारी भक्ति और गंभीरता से शांत और चैन का जीवन बिताएँ।

K. 1 तीमुथियुस 6:6 पर सन्तोष सहित भक्ति बड़ी लाभ है। **[G2150 eusebeia ⚑]**

संतोष के साथ भक्ति = बड़ी कमाई।

L. तीतुस 2:12 और हमें चिताता है, कि हम अभक्ति और सांसारिक अभिलाषाओं से मन फेरकर इस युग में संयम और धार्मिकता से और भक्ति से जीवन बिताएँ; **[G2153 eusebos ⚑] [G763 asebeia ⚑]**

अभक्ति का इन्कार करके → इस वर्तमान युग में संयम से, और धर्म से, और भक्ति से जीवन बिताएं।

(मेरे व्यक्तिगत विचार — इसे प्रोत्साहन जाने का तरीका यह है: एक शांत जीवन, एक संतुष्ट हृदय, एक संयमित चाल। asebeia (G763, अधर्म) को अस्वीकार किया जाना चाहिए, और eusebos (G2153, भक्तिमय) को जीया जाना चाहिए — इसी वर्तमान संसार में, न कि केवल आने वाले संसार में। और बड़ी कमाई अधिक वस्तुएँ नहीं हैं; यह संतोष सहित भक्ति है — autarkeia (G841, संतोष), जिसे स्ट्रॉन्स पर्याप्तता कहता है: पर्याप्त। ऐसे चलो, और तुम दौड़ने के लिए तैयार होगे।)

III. दौड़ में दौड़ना — परमेश्वर की सेना के सैनिक के समान समर्पित करो

(मेरे व्यक्तिगत विचार — अब यह चाल एक दौड़ बन जाती है, और दौड़ एक युद्ध बन जाती है। यूनानी में एक छिपी हुई बात पर ध्यान दें: विश्वास की उत्तम लड़ाई और हमारे सामने रखी गई दौड़, दोनों एक ही शब्द पर टिकी हैं — टैग देखिए, दोनों के नीचे G73 है — और स्ट्रॉन्स उस एक शब्द का अर्थ संघर्ष, विवाद, लड़ाई, दौड़ बताता है। इस दौड़ को दौड़ना ही इस लड़ाई को लड़ना है। इसलिए परमेश्वर का जन एक ही समय में धावक और सिपाही दोनों है: वह भक्ति के पीछे चलता है, और अपने अंगों को धार्मिकता के हथियारों के रूप में परमेश्वर को सौंपता है।)

A. 1 तीमुथियुस 6:11 पर हे परमेश्वर के जन, तू इन बातों से भाग; और धार्मिकता, भक्ति, विश्वास, प्रेम, धीरज, और नम्रता का पीछा कर। **[G2150 eusebeia ⚑]**

पर हे परमेश्वर के जन, तू इन बातों से भाग + और धार्मिकता, भक्ति, विश्वास, प्रेम, धीरज, और नम्रता का पीछा कर.

B. 2 पतरस 1:6 और समझ पर संयम, और संयम पर धीरज, और धीरज पर भक्ति **[G2150 eusebeia ⚑]**

संयम पर धैर्य + धैर्य पर भक्ति।

(मेरे व्यक्तिगत विचार — पौलुस कहता है, इसके पीछे लग जाओ; पतरस इसे सीढ़ी में रखता है — धैर्य के बाद भक्ति। भक्ति सीढ़ी का पहला पग नहीं है, और न ही अंतिम; यह चढ़ाई में खड़ी है। मनुष्य इसके पीछे दौड़ता है, और इसे जोड़ता है, पग दर पग।)

C. 1 तीमुथियुस 6:12 विश्वास की अच्छी कुश्ती लड़; और उस अनन्त जीवन को धर ले, जिसके लिये तू बुलाया गया, और बहुत गवाहों के सामने अच्छा अंगीकार किया था। **[G73 agon ⚑]**

विश्वास की अच्छी कुश्ती लड़ + और उस अनन्त जीवन को धर ले.

D. 1 तीमुथियुस 1:18 हे पुत्र तीमुथियुस, उन भविष्यद्वाणियों के अनुसार जो पहले तेरे विषय में की गई थीं, मैं यह आज्ञा सौंपता हूँ, कि तू उनके अनुसार अच्छी लड़ाई को लड़ता रह। **[G4752 strateia ⚑] [G4754 strateuomai ⚑]**

हे पुत्र तीमुथियुस → कि तू उनके अनुसार अच्छी लड़ाई को लड़ता रह.

E. 2 तीमुथियुस 2:3 मसीह यीशु के अच्छे योद्धा के समान मेरे साथ दुःख उठा । **[G4757 stratiotes ⚑]**

कठिनाई सह लो = यीशु मसीह के एक अच्छे सिपाही के समान।

F. 2 तीमुथियुस 2:4 जब कोई योद्धा लड़ाई पर जाता है, तो इसलिए कि अपने वरिष्ठ अधिकारी को प्रसन्न करे, अपने आपको संसार के कामों में नहीं फँसाता **[G1707 empleko ⚑]**

कोई भी योद्धा इस जीवन के कार्यों में उलझता नहीं + कि वह उसे प्रसन्न करे जिसने उसे चुना है।

(मेरे व्यक्तिगत विचार — सैनिक हल्का होकर यात्रा करता है, और दौड़ने वाला भी वैसा ही करता है: एक इस जीवन के व्यवहारों में उलझा नहीं रहता, दूसरा हर एक बोझ को उतार फेंकता है। दोनों एक ही बात सिखाते हैं: थोड़ा लेकर चलो, ताकि तुम पूरा कर सको। और ध्यान दो कि सैनिक क्यों स्वतंत्र रहता है — ताकि वह उसे प्रसन्न कर सके जिसने उसे चुना है। यह दौड़ मनुष्यों की आँखों के लिए नहीं दौड़ी जाती, परन्तु उसी की आँखों के लिए दौड़ी जाती है।)

G. इफिसियों 6:11 परमेश्वर के सारे हथियार बाँध लो कि तुम शैतान की युक्तियों के सामने खड़े रह सको। **[G3833 panoplia ⚑]**

परमेश्वर का सारा हथियार धारण करो → ताकि तुम खड़े रह सको।

H. रोमियों 6:13 और न अपने अंगों को अधर्म के हथियार होने के लिये पाप को सौंपो, पर अपने आपको मरे हुओं में से जी उठा हुआ जानकर परमेश्वर को सौंपो, और अपने अंगों को धार्मिकता के हथियार होने के लिये परमेश्वर को सौंपो। **[G3936 paristemi ⚑]**

अपने आप को परमेश्वर के लिए समर्पित करो + अपने अंगों को धार्मिकता के हथियार के रूप में परमेश्वर के लिए समर्पित करो।

I. 2 तीमुथियुस 3:12 पर जितने मसीह यीशु में भक्ति के साथ जीवन बिताना चाहते हैं वे सब सताए जाएँगे। **[G2153 eusebos ⚑]**

जो कोई मसीह यीशु में भक्ति से जीवन बिताना चाहता है → वह सताया जाएगा।

(मेरे व्यक्तिगत विचार — यहाँ मूल्य आँक लें, और जब यह आए तो विचलित न हों। जो कोई भी मसीह यीशु में eusebos (G2153, भक्तिपूर्ण) जीवन जीना चाहेगा, वह अवश्य ही सताया जाएगा — कुछ नहीं, और शायद नहीं। सताया जाना इस बात का चिन्ह नहीं कि चाल गलत हो गई है; यह इस बात का चिन्ह है कि आप मार्ग पर हैं। कठिनाई सहन करें।)

J. 1 कुरिन्थियों 9:24 क्या तुम नहीं जानते, कि दौड़ में तो दौड़ते सब ही हैं, परन्तु इनाम एक ही ले जाता है? तुम वैसे ही दौड़ो, कि जीतो। **[G4712 stadion ⚑]**

दौड़ में दौड़नेवाले सब तो दौड़ते हैं + इसलिये तुम ऐसी दौड़ दौड़ो, कि इनाम पाओ।

K. 1 कुरिन्थियों 9:25 और हर एक पहलवान सब प्रकार का संयम करता है, वे तो एक मुर्झानेवाले मुकुट को पाने के लिये यह सब करते हैं, परन्तु हम तो उस मुकुट के लिये करते हैं, जो मुर्झाने का नहीं। **[G75 agonizomai ⚑]**

सब बातों में संयमी + वे एक भ्रष्ट होने वाला मुकुट → हम एक अभ्रष्ट मुकुट।

L. इब्रानियों 12:1 इस कारण जबकि गवाहों का ऐसा बड़ा बादल हमको घेरे हुए है, तो आओ, हर एक रोकनेवाली वस्तु, और उलझानेवाले पाप को दूर करके, वह दौड़ जिसमें हमें दौड़ना है, धीरज से दौड़ें। **[G73 agon ⚑]**

हर एक भार को उतार फेंको + धीरज के साथ उस दौड़ में दौड़ो जो हमारे सामने रखी है।

M. यशायाह 40:31 परन्तु जो यहोवा की बाट जोहते हैं, वे नया बल प्राप्त करते जाएँगे, वे उकाबों के समान उड़ेंगे, वे दौड़ेंगे और श्रमित न होंगे, चलेंगे और थकित न होंगे। **[H3212 yalak ⚑] [H7323 ruwts ⚑]**

जो यहोवा की बाट जोहते हैं वे नया बल प्राप्त करेंगे + दौड़ेंगे, और नहीं थकेंगे + चलेंगे, और मूर्च्छित न होंगे।

(मेरे व्यक्तिगत विचार — भविष्यद्वक्ता पूरे मार्ग को एक ही पंक्ति में समेट देता है: उड़ना, दौड़ना, चलना। परमेश्वर जानता है कि दौड़नेवाला थक जाता है; इसलिए शक्ति दौड़नेवाले की अपनी नहीं है। जो यहोवा की बाट जोहते हैं वे नया बल पाते हैं — उसकी सामर्थ्य, तुम्हारे कदम, अंत तक। दौड़ो, और थको मत; चलो, और मूर्छित मत हो; मार्ग तुम्हारे सामने है।)

IV. अंतिम रेखा — भक्ति, और वचन, सर्वदा बना रहता है

(मेरे व्यक्तिगत विचार — हर दौड़ का एक अंत होता है, और यह अंत कोई दीवार नहीं है; यह एक मुकुट है। पौलुस को रेखा पर सुनो: उंडेले जाने के लिए तैयार, दौड़ पूरी हुई, विश्वास बनाए रखा गया — और जिस दौड़ की वह बात करता है, टैग देखो, G1408, स्ट्रॉन्ग इसे दौड़ कहता है। और ध्यान दो कि रेखा के आगे क्या खड़ा है: रखा हुआ मुकुट, महिमा, और वह वचन जिसने उन सबकी प्रतिज्ञा की, जो सदा के लिए बना रहता है।)

A. 1 तीमुथियुस 4:8 क्योंकि देह के प्रशिक्षण से कम लाभ होता है, पर भक्ति सब बातों के लिये लाभदायक है, क्योंकि इस समय के और आनेवाले जीवन की भी प्रतिज्ञा इसी के लिये है। **[G2150 eusebeia ⚑] [G1129 gumnasia ⚑]**

शारीरिक व्यायाम से थोड़ा लाभ होता है + भक्ति सब बातों के लिये लाभदायक है = इस वर्तमान जीवन की, और आनेवाले जीवन की भी प्रतिज्ञा।

B. 2 तीमुथियुस 4:6 क्योंकि अब मैं अर्घ के समान उण्डेला जाता हूँ, और मेरे संसार से जाने का समय आ पहुँचा है। **[G359 analusis ⚑]**

क्योंकि अब मैं अर्घ के समान उण्डेला जाता हूँ + और मेरे संसार से जाने का समय आ पहुँचा है.

C. 2 तीमुथियुस 4:7 मैं अच्छी कुश्ती लड़ चुका हूँ, मैंने अपनी दौड़ पूरी कर ली है, मैंने विश्वास की रखवाली की है। **[G1408 dromos ⚑] [G73 agon ⚑]**

मैं अच्छी कुश्ती लड़ चुका हूँ + मैंने अपनी दौड़ पूरी कर ली है + मैंने विश्वास की रखवाली की है.

D. 2 तीमुथियुस 4:8 भविष्य में मेरे लिये धार्मिकता का वह मुकुट रखा हुआ है, जिसे प्रभु, जो धर्मी, और न्यायी है, मुझे उस दिन देगा और मुझे ही नहीं, वरन् उन सब को भी, जो उसके प्रगट होने को प्रिय जानते हैं। **[G4735 stephanos ⚑]**

धार्मिकता का मुकुट + न केवल मुझे, परन्तु उन सब को भी जो उसके प्रगट होने से प्रेम रखते हैं।

(मेरे व्यक्तिगत विचार — वह मुकुट किसी एक दौड़ने वाले के लिए नहीं है। केवल मुझे ही नहीं, पौलुस कहता है, परन्तु उन सब को भी जो उसके प्रगट होने से प्रेम रखते हैं। वही रेखा तुम्हारे सामने भी है, और वही धर्मी न्यायी उसके पास खड़ा है। उसके प्रगट होने से प्रेम रखो, और अपनी दौड़ पूरी करो।)

E. इब्रानियों 12:2 और विश्वास के कर्ता और सिद्ध करनेवाले यीशु की ओर ताकते रहें; जिसने उस आनन्द के लिये जो उसके आगे धरा था, लज्जा की कुछ चिन्ता न करके, क्रूस का दुःख सहा; और सिंहासन पर परमेश्वर के दाहिने जा बैठा। (1 पत. 2:23,24, तीतु. 2:13,14) **[G5051 teleiotes ⚑]**

यीशु की ओर देखना = हमारे विश्वास के कर्ता और सिद्ध करनेवाले।

F. 1 तीमुथियुस 3:16 और इसमें सन्देह नहीं कि भक्ति का भेद गम्भीर है, अर्थात्, वह जो शरीर में प्रगट हुआ, आत्मा में धर्मी ठहरा, स्वर्गदूतों को दिखाई दिया, अन्यजातियों में उसका प्रचार हुआ, जगत में उस पर विश्वास किया गया, और महिमा में ऊपर उठाया गया। **[G2150 eusebeia ⚑]**

धर्मपरायणता का रहस्य → परमेश्वर देह में प्रगट हुआ → महिमा में ऊपर उठाया गया।

(मेरे व्यक्तिगत विचार — भक्ति के भेद ने इस अध्ययन को आरम्भ किया, और वही इसे समाप्त भी करता है। यह इस प्रकार आरम्भ होता है, परमेश्वर मानव देह में प्रगट हुआ — वहीं भक्ति पाई जाती है। यह इस प्रकार समाप्त होता है, महिमा में ऊपर उठा लिया गया — वहीं यह चाल समाप्त होती है। मसीह स्वयं इस सम्पूर्ण मार्ग पर पहले चला, और उसे पूरा किया; जिस मार्ग पर तू चलता है, वह मार्ग पहले ही चला जा चुका है, और तेरे विश्वास का सिद्ध करनेवाला उसके अन्त में खड़ा है।)

G. 1 पतरस 1:24 क्योंकि "हर एक प्राणी घास के समान है, और उसकी सारी शोभा घास के फूल के समान है: घास सूख जाती है, और फूल झड़ जाता है। **[G5528 chortos ⚑]**

सारा शरीर घास के समान है + घास सूख जाती है, और उसका फूल गिर जाता है।

H. 1 पतरस 1:25 परन्तु प्रभु का वचन युगानुयुग स्थिर रहता है ।" और यह ही सुसमाचार का वचन है जो तुम्हें सुनाया गया था। (लूका 16:17, 1 यूह. 1:1, यशा. 40:8) **[G3306 meno ⚑]**

परन्तु प्रभु का वचन युगानुयुग स्थिर रहता है + और यह ही सुसमाचार का वचन है जो तुम्हें सुनाया गया था। (लूका 16:17, 1 यूह. 1:1, यशा. 40:8.

I. यशायाह 40:8 घास तो सूख जाती, और फूल मुर्झा जाता है; परन्तु हमारे परमेश्वर का वचन सदैव अटल रहेगा । (1 पत. 1:24,25) **[H1697 dabar ⚑]**

घास तो सूख जाती, और फूल मुर्झा जाता है + परन्तु हमारे परमेश्वर का वचन सदैव अटल रहेगा । (1 पत. 1:24,25.

(मेरे व्यक्तिगत विचार — पतरस को यशायाह के पास रखें, और एक ही स्वर सुनें। यशायाह कहता है, हमारे परमेश्वर का वचन सर्वदा स्थिर रहेगा; पतरस कहता है, प्रभु का वचन सर्वदा बना रहता है — और जिस शब्द का अनुवाद 'बना रहना' किया गया है (देखें टैग, G3306) वही शब्द है जिसका अनुवाद 'स्थिर रहना' किया गया है। यशायाह ने इसे बहुत पहले लिखा; पतरस बहुत बाद में इसे सिद्ध करता है — वही वचन तब भी स्थिर था, और उसी सुसमाचार के द्वारा तुम्हें प्रचार किया गया। वचन स्वयं को स्थिर रहकर सिद्ध करता है। और भक्ति उसके साथ स्थिर रहती है, क्योंकि भक्ति के साथ इस वर्तमान जीवन की, और आनेवाले जीवन की भी प्रतिज्ञा है।)

J. **भजन संहिता 119:89** हे यहोवा, तेरा वचन, आकाश में सदा तक स्थिर रहता है। **[H5324 natsab ⚑]**

हे यहोवा, तेरा वचन, आकाश में सदा तक स्थिर रहता है.

K. **मत्ती 24:35** आकाश और पृथ्वी टल जाएँगे, परन्तु मेरे शब्द कभी न टलेंगे। **[G3056 logos ⚑]**

आकाश और पृथ्वी टल जाएँगे + परन्तु मेरे शब्द कभी न टलेंगे.

(मेरे व्यक्तिगत विचार — शरीर घास है, और यह पीढ़ी बीत जाती है; स्वर्ग और पृथ्वी स्वयं भी टल जाएंगे; परन्तु उसके वचन कभी न टलेंगे। जो कोई भक्ति के लिए दौड़ता है, वह उसके लिए दौड़ता है जो सर्वदा बना रहता है। इस दौड़ का कुछ भी अंतिम रेखा पर व्यर्थ नहीं जाता; जिस वचन ने तुम्हें इसके लिए बुलाया, वह तब भी खड़ा रहता है जब बाकी सब कुछ गिर जाता है।)

दो के मुख

2 तीमुथियुस 4:8 भविष्य में मेरे लिये धार्मिकता का वह मुकुट रखा हुआ है, जिसे प्रभु, जो धर्मी, और न्यायी है, मुझे उस दिन देगा और मुझे ही नहीं, वरन् उन सब को भी, जो उसके प्रगट होने को प्रिय जानते हैं। **[G4735 stephanos ⚑]**

धार्मिकता का मुकुट + उन सभी के लिए भी जो उसके प्रगट होने से प्रेम रखते हैं।

प्रकाशितवाक्य 2:10 जो दुःख तुझको झेलने होंगे, उनसे मत डर: क्योंकि, शैतान तुम में से कुछ को जेलखाने में डालने पर है ताकि तुम परखे जाओ; और तुम्हें दस दिन तक क्लेश उठाना होगा। प्राण देने तक विश्वासयोग्य रह; तो मैं तुझे जीवन का मुकुट दूँगा। (याकू. 1:12) **[G4735 stephanos ⚑]**

मृत्यु पर्यन्त विश्वासयोग्य बना रह → मैं तुझे जीवन का मुकुट दूंगा।

1 पतरस 5:4 और जब प्रधान रखवाला प्रगट होगा, तो तुम्हें महिमा का मुकुट दिया जाएगा, जो मुर्झाने का नहीं। **[G262 amarantinos ⚑]**

और जब प्रधान रखवाला प्रगट होगा → जो मुर्झाने का नहीं.

2 कुरिन्थियों 13:1 अब तीसरी बार तुम्हारे पास आता हूँ: दो या तीन गवाहों के मुँह से हर एक बात ठहराई जाएगी। (व्यव. 19:15) **[G3144 martus ⚑]**

दो या तीन गवाहों के मुँह से हर एक बात ठहराई जाएगी। (व्यव. 19:15.

(मेरे व्यक्तिगत विचार — दौड़ के अंत में तीन साक्षी खड़े हैं, और हर एक मुकुट लिए हुए है। पौलुस कहता है, उस दिन धार्मिकता का मुकुट। प्रभु यूहन्ना के द्वारा कहते हैं, मृत्यु तक विश्वासयोग्य रहो, और जीवन का मुकुट। पतरस कहता है, जब प्रधान चरवाहा प्रगट होगा, तो महिमा का ऐसा मुकुट जो मुरझाता नहीं। धार्मिकता, जीवन, महिमा — दो या तीन साक्षियों के मुख से बात स्थिर हो जाती है: इस दौड़ का अंत एक मुकुट है, और वह मुरझाता नहीं।)

छाया और पूर्णता

Shadow **उत्पत्ति 5:24** हनोक परमेश्वर के साथ-साथ चलता था; फिर वह लोप हो गया क्योंकि परमेश्वर ने उसे उठा लिया। (इब्रा. 11:5) **[H1980 halak ⚑]**

हनोक परमेश्वर के साथ-साथ चलता था → इब्रा. 11:5.

Fulfillment **इब्रानियों 11:5** विश्वास ही से हनोक उठा लिया गया, कि मृत्यु को न देखे, और उसका पता नहीं मिला; क्योंकि परमेश्वर ने उसे उठा लिया था, और उसके उठाए जाने से पहले उसकी यह गवाही दी गई थी, कि उसने परमेश्वर को प्रसन्न किया है। (उत्प. 5:21-24) **[G3346 metatithemi ⚑]**

विश्वास ही से हनोक उठा लिया गया, कि मृत्यु को न देखे, और उसका पता नहीं मिला + कि उसने परमेश्वर को प्रसन्न किया है। (उत्प. 5:21-24.

Fulfillment **1 थिस्सलुनीकियों 4:17** तब हम जो जीवित और बचे रहेंगे, उनके साथ बादलों पर उठा लिए जाएँगे, कि हवा में प्रभु से मिलें, और इस रीति से हम सदा प्रभु के साथ रहेंगे। **[G726 harpazo ⚑]**

साथ में उठा लिए जाएंगे + प्रभु से हवा में मिलने के लिए → इस प्रकार हम सर्वदा प्रभु के साथ रहेंगे।

(मेरे व्यक्तिगत विचार — मूसा ने इसे संक्षेप में लिखा: वह परमेश्वर के साथ चला, और वह नहीं रहा। नए नियम में यह बात व्यापक रूप से खुलती है: उठा लिया गया, ताकि वह मृत्यु को न देखे; और उसके उठाए जाने से पहले यह गवाही थी, कि उसने परमेश्वर को प्रसन्न किया। एक ही मनुष्य में सारा चलना समाया है — वह चला, उसने परमेश्वर को प्रसन्न किया, परमेश्वर ने उसे उठा लिया। और भक्ति का रहस्य भी उसी प्रकार समाप्त होता है, महिमा में उठा लिया जाना; और वैसा ही होता है हर उस व्यक्ति के साथ जो उसके साथ चलता है — ऊपर उठा लिया जाना, सदा प्रभु के साथ रहने के लिए। परमेश्वर के साथ का चलना कब्र पर समाप्त नहीं होता। यह उसमें समाप्त होता है।)

समापन

फिलिप्पियों 1:6 मुझे इस बात का भरोसा है कि जिसने तुम में अच्छा काम आरम्भ किया है, वही उसे यीशु मसीह के दिन तक पूरा करेगा।
[G2005 epiteleo ⚑]

जिसने तुम में अच्छा काम आरम्भ किया है → वह उसे मसीह यीशु के दिन तक पूरा करता रहेगा।

यहूदा 1:24 अब जो तुम्हें ठोकर खाने से बचा सकता है, और अपनी महिमा की भरपूरी के सामने मगन और निर्दोष करके खड़ा कर सकता है।
[G679 aptaistos ⚑]

तुम्हें फिसलने से बचाने + और अपनी महिमा के सम्मुख निर्दोष खड़ा करने में समर्थ है, अत्यन्त आनन्द के साथ।

(मेरे व्यक्तिगत विचार — अब पूरे मार्ग को घर तक समेटो। पहले रेंगना: भक्ति तुम्हारी अपनी शक्ति नहीं है; यह उसकी दिव्य सामर्थ्य से दी गई है, और एक व्यक्ति में पाई जाती है — भक्ति का भेद, परमेश्वर मानव देह में प्रकट हुआ। फिर चलना: जैसे हनोक चला, जैसे नूह चला, जैसे अब्राम को आज्ञा दी गई थी — मेरे सामने चल, और सिद्ध हो; उसी में चल, ठीक वैसे ही जैसे वह चला। फिर दौड़ और युद्ध: भक्ति के पीछे लग जा, अच्छी लड़ाई लड़, कठिनाई सह, अपने अंगों को परमेश्वर को अर्पित कर। फिर अंतिम रेखा: दौड़ पूरी हुई, विश्वास बना रहा, मुकुट रखा हुआ है — और इस सबके नीचे, वह वचन जो कभी टल नहीं सकता। और देखो वह चिन्ह, G2005: स्ट्रॉन्स कहता है कि इस प्रतिज्ञा में "पूरा करना" शब्द का अर्थ है सिद्ध करना, समाप्त करना — जिसने तुझमें अच्छा काम आरम्भ किया है वह उसे पूरा करेगा। उसने तुझे चलना सिखाया; वह तुझे गिरने से बचाए रखने में समर्थ है; वह तुझे बड़े आनंद के साथ रेखा के पार ले आएगा। चलते रहो।)

अभ्यास प्रश्नोत्तरी

1. 1 तीमुथियुस 6:6 — परन्तु सन्तोष सहित भक्ति है:
a) बड़ी कमाई
b) महान शांति
c) सब बातों के लिए लाभदायक

2. उत्पत्ति 5:24 — और हनोक परमेश्वर के साथ-साथ चलता रहा: और वह लोप हो गया, क्योंकि:
a) यहोवा उसे दिखाई दिए
b) परमेश्वर उसे ले गया
c) उसने परमेश्वर को प्रसन्न किया

3. 2 पतरस 1:3 — जैसा कि उसकी ईश्वरीय सामर्थ्य ने हमें वह सब कुछ दिया है जो इससे सम्बन्ध रखता है:
a) महिमा और सद्गुण
b) जीवन और भक्ति
c) धार्मिकता और ईमानदारी

4. 2 तीमुथियुस 2:4 — जो कोई योद्धा का काम करता है, वह इस जीवन के कार्यों में अपने आप को उलझाता नहीं, कि:
a) शैतान की चालों
b) वह पाप जो हमें इतनी आसानी से उलझा लेता है
c) इस जीवन के मामले

5. 1 तीमुथियुस 3:16 — और निःसंदेह भक्ति का भेद बड़ा है, अर्थात परमेश्वर शरीर में प्रगट हुआ, आत्मा में धर्मी ठहरा, स्वर्गदूतों को दिखाई दिया, अन्यजातियों में प्रचार किया गया, जगत में उस पर विश्वास किया गया, और ऊपर उठा लिया गया:
a) महिमा
b) स्वर्ग
c) बादल

6. 2 तीमुथियुस 4:8 — अब से मेरे लिये धर्म का एक मुकुट रखा हुआ है, जो:
a) जीवन
b) महिमा
c) धार्मिकता

7. 1 पतरस 1:25 — परन्तु प्रभु का वचन सर्वदा ठहरा रहता है। और यह वह वचन है जो:
a) स्वर्ग में स्थिर है
b) उस सुसमाचार के द्वारा जो तुम्हें सुनाया गया है
c) टलेगी नहीं

उत्तर कुंजी: 1-a, 2-b, 3-b, 4-c, 5-a, 6-c, 7-b

यह अध्ययन कैसे शाखाओं में विभाजित होता है

→छाया किस प्रकार प्रकाश लाती है: दो पुरुष परमेश्वर के साथ चले और उठा लिए गए — हनोक ऐसा उठा लिया गया, कि उसने मृत्यु को न देखा (इब्रानियों 11:5), और एलिय्याह बवंडर में होकर स्वर्ग को चढ़ गया (2 राजा 2:11) — इन्हें उनके साथ रखिए जो जीवित और बचे रहेंगे, और प्रभु से मिलने के लिए हवा में उठा लिए जाएंगे (1 थिस्सलुनीकियों 4:17), अपने ही अध्ययन के लिए तैयार।

नई वाचा इसे इस प्रकार स्पष्ट करती है: अब्राम से कहा गया, मेरे सामने चल, और सिद्ध हो (उत्पत्ति 17:1); हम से कहा गया है, उसकी दिव्य सामर्थ्य ने हमें जीवन और भक्ति से सम्बन्धित सब कुछ दिया है (2 पतरस 1:3) — जो आज्ञा दी गई थी वह अब मसीह में दी गई है।

शब्दों का महत्व कैसे है: 1 तीमुथियुस 6:12 का "युद्ध" और इब्रानियों 12:1 की "दौड़" एक ही यूनानी शब्द (G73 — संघर्ष, युद्ध, दौड़) हैं, और गलातियों 5:25 (G4748) का "चलना" पंक्ति में पग मिलाकर चलने का भाव रखता है, जैसे कोई सिपाही कदम मिलाकर चलता है — ध्यान दें कि कौन सा शब्द कहाँ खड़ा है, और क्यों।

यह अनंतकाल तक कैसे पहुँचता है: भक्ति के पास इस वर्तमान जीवन की और आनेवाले जीवन की भी प्रतिज्ञा है (1 तीमुथियुस 4:8) — और धार्मिकता का मुकुट केवल पौलुस के लिये ही नहीं, वरन उन सभी के लिये भी है जो उसके प्रगट होने से प्रेम रखते हैं (2 तीमुथियुस 4:8)।

विषयांतर: भक्ति का भेद (1 तीमुथियुस 3:16) अधर्म के भेद (2 थिस्सलुनीकियों 2:7) के सम्मुख खड़ा है — एक ही प्रेरित के मुख से निकले दो भेद, प्रत्येक मनुष्यों में कार्यरत — खोज कीजिए।

संभावित प्रकटीकरण: 1 पतरस 1:25 (G3306) में 'बना रहता है' के रूप में अनुवादित शब्द वही शब्द है जो दाखलता में 'बने रहो' के रूप में अनुवादित हुआ है — मुझ में बने रहो (यूहन्ना 15:4)। यह शब्द सदा के लिए बना रहता है; उस में बने रहो, और तुम उस में बने रहोगे जो कभी नाश नहीं होगा।

SOURCES & CREDITS

Scripture: Hindi Indian Revised Version Bible (CC BY-SA 4.0) — a redistributable edition, looked up exactly and never machine-translated.

Alternate chapter/verse numbering reconciled with STEPBible TVTMS (CC BY 4.0).

Strong's numbering & original-language data: OpenScriptures Hebrew Bible (CC BY 4.0); STEPBible.org — TAHOT/TAGNT/TBESH/TBESG (CC BY 4.0); Robinson-Pierpont Byzantine Majority Text (Public Domain); Strong's dictionary, 1890 (Public Domain).

Typography: Google Noto fonts (SIL Open Font License 1.1).

© SEE MORE JESUS · wanttoseemore.com — shared under Creative Commons Attribution 4.0 (CC BY 4.0).